<u>प्रारंभिक संबोधन</u>

सत्र - 185

23 फरवरी, 2017

माननीय नेता, सत्तारूढ़ दल
माननीय नेता, विरोधी दल
मंत्रिपरिषद् के माननीय सदस्यगण
बिहार विधान परिषद् के माननीय सदस्यगण

बिहार विधान परिषद् का 185वां सत्र आज से आरंभ हो रहा है। इस अवसर पर मैं माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उप मुख्यमंत्री, माननीय संसदीय कार्य मंत्री एवं मंत्रिपरिषद् के माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं। बिहार विधान परिषद् के माननीय नेता, विरोधी दल, विभिन्न दलों के माननीय नेतागण, माननीय सचेतकगण तथा माननीय सदस्यगण का हार्दिक स्वागत करता हूं। साथ ही, लोकतंत्र के प्रहरी प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के पत्रकार प्रतिनिधियों तथा छायाकार बंधुओं का भी स्वागत करता हूं।

बिहार विधान परिषद् का यह बजट सत्र कुल 23 बैठकों का है। लंबी अवधि के इस सत्र में जनहित एवं राज्य के चतुर्दिक विकास से संबंधित अधिकाधिक विषय सदन के पटल पर लाए जाएं, ऐसा हमारा प्रयास हो। आशा है, माननीय सदस्यगण अपनी सक्रिय भागीदारी द्वारा बजट सत्र को सफल व सार्थक बनाने में अपनी महती भूमिका निभाएंगे।

सदन समाज का आईना होता है और इस आईने में समाज के अंतिम व्यक्ति का चेहरा नजर आए, ऐसी हमारी भरपूर कोशिश होनी चाहिए। सदन में माननीय सदस्य जन सरोकारों से जुड़े मुद्दों का हल स्वस्थ बहस के माध्यम से निकालेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है।

अवधेश नारायण सिंह
सभापति
बिहार विधान परिषद्

बिहार का निरंतर विकास राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय है, यह हमारे लिए प्रसन्नता की बात है। न्याय के साथ विकास की अवधारणा जमीनी स्तर पर हमारे राज्य में नजर आती है। बिहार आगे बढ़ रहा है।

सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविन्द सिंह के 350वें जन्मोत्सव का सफल आयोजन विगत महीने बिहार की पावन धरती पर संपन्न हुआ। इस पर्व में शामिल हुए देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं ने बिहार और बिहारवासियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। प्रकाशोत्सव के रूप में मनाए गए इस पर्व में बिहार सरकार विशेषकर माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार का योगदान उल्लेखनीय है। मैं अपनी ओर से और पूरे सदन की ओर से माननीय मुख्यमंत्री को साधुवाद देता हूं।

गत् 21 जनवरी को शराबबंदी एवं नशा-मुक्ति को लेकर बिहार ने एक अभूतपूर्व मानव-श्रृंखला बनाई। यह अपने आप में एक विश्व कीर्तिमान है। बिहार के तमाम महिला-पुरुष, बच्चे-युवा व बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर शराबबंदी एवं नशा-मुक्ति के पक्ष में इस मानव-श्रृंखला में हिस्सा लिया। समस्त बिहार इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना। हमेशा की तरह बिहार ने इस बार भी राष्ट्र को एक नई दिशा दी है।

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में इसरो ने पी.एस.एल.वी- सी 37 के द्वारा 104 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। स्वर्ण अक्षरों में लिखी जानेवाली इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों को मैं पूरे सदन की ओर से कोटि-कोटि बधाई देता हूं।

बिहार के श्री संदीप दास ने तबला वादन में अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कार 'ग्रेमी अवॉर्ड' प्राप्त कर पूरे विश्व में बिहार और राष्ट्र का नाम रौशन किया है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। बिहार की ही दो धरोहरों क्रमश: मिथिला चित्रकला की सशक्त हस्ताक्षर श्रीमती बउआ देवी को पद्मश्री एवं मुंगेर योग विद्यालय के योग गुरु परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती को पद्म-भूषण की उपाधि से अलंकृत किया गया है। मैं इन तीनों महानुभावों को अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं एक बार फिर आप सबों का स्वागत करता हूं और सदन के सफल संचालन में आपके सहयोग की पूरी अपेक्षा रखता हूं।

धन्यवाद ।

अवधेश नारायण सिंह
23 फरवरी, 2017